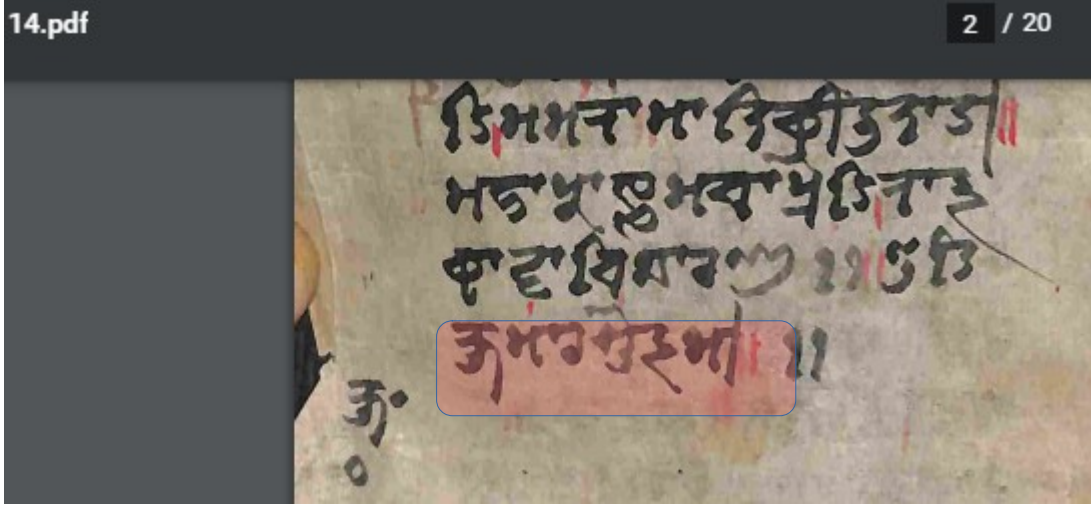
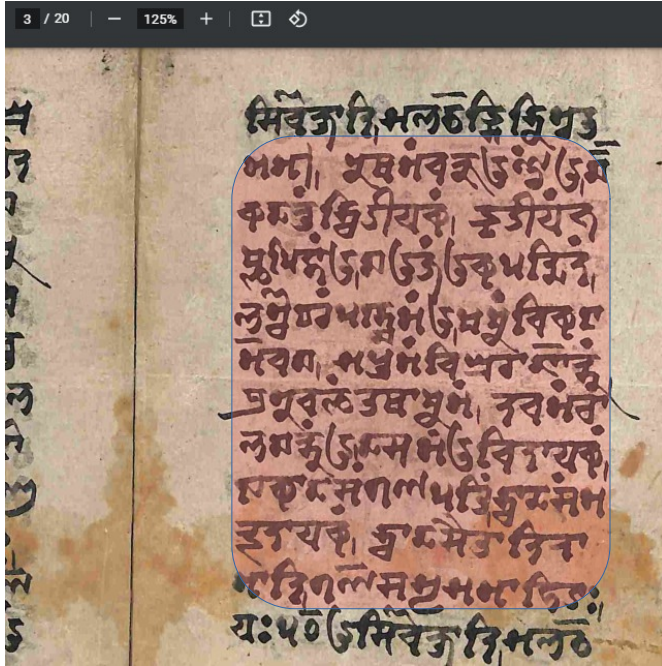


Contents -

Pages 1-2 : Kumara Stotram



Pages 3 -9 : Ganesha Mantras including Sankata Nashana Maha Ganapati Stotram



== श्री गणपतिस्तोत्रम् ==

=== ॥ श्री गणेशायनमः ॥ ===

==== ॥ नारद उवाच ॥ =====

प्रणम्य शिरसा देवं गौरीपुत्रं विनायकम् ॥ भक्तावासं स्मरेनित्यमायुःसर्वकामार्थसिद्धये ॥ 1 ॥

प्रथमं वक्रतुंडं च एकदन्तं द्वितीयकम् । तृतीयं कृष्णपिंगाक्षं गजवक्त्रं चतुर्थकम् ॥ 2 ॥

लंबोदरं पंचमं च षष्ठं विकटमेव च । सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्णं तथाष्टमम् ॥ 3 ॥

नवमं भालचंद्रं च दशमं तु विनायकम् । एकादशं गणपतिं द्वादशं तु गजाननम् ॥ 4 ॥

द्वादशैतानि नामानि त्रिसंध्यं यः पठेन्नरः । न च विघ्नभयं तस्य सर्वसिद्धिकरं प्रभो ॥ 5 ॥

विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी लभते धनम् । पुत्रार्थी लभते पुत्रान् मोक्षार्थी लभते गतिम् ॥ 6 ॥

जपेत् गणपतिस्तोत्रं षड्भिर्मासैः फलं लभेत् । संवत्सरेण सिद्धिं च लभते नात्र संशयः ॥ 7 ॥

अष्टभ्यो ब्राम्हणेभ्यश्च लिखित्वा यः समर्पयेत् । तस्य विद्या भवेत्सर्वा गणेशस्य प्रसादतः ॥ 8 ॥

इति श्री नारदपुराणे संकटनाशनं नाम महागणपतिस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

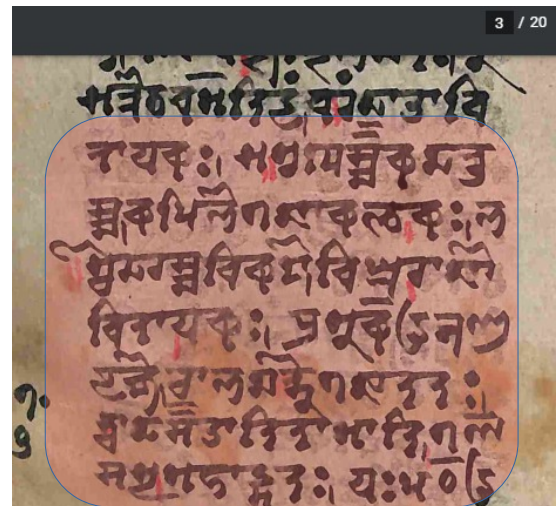
गणेश द्वादश नामानि - Ganesha Dvadasha Nama

Sumukhascha Ekadanthascha Kapilo Gajakarnakaha

Lambodarascha Vikato Vighnaraajo Ganaadhipaa

Dhoomaketur Ganaadhyashah Phaalachandro Gajaanana

Dvadashainani namani Ganeshasya Mahatmana

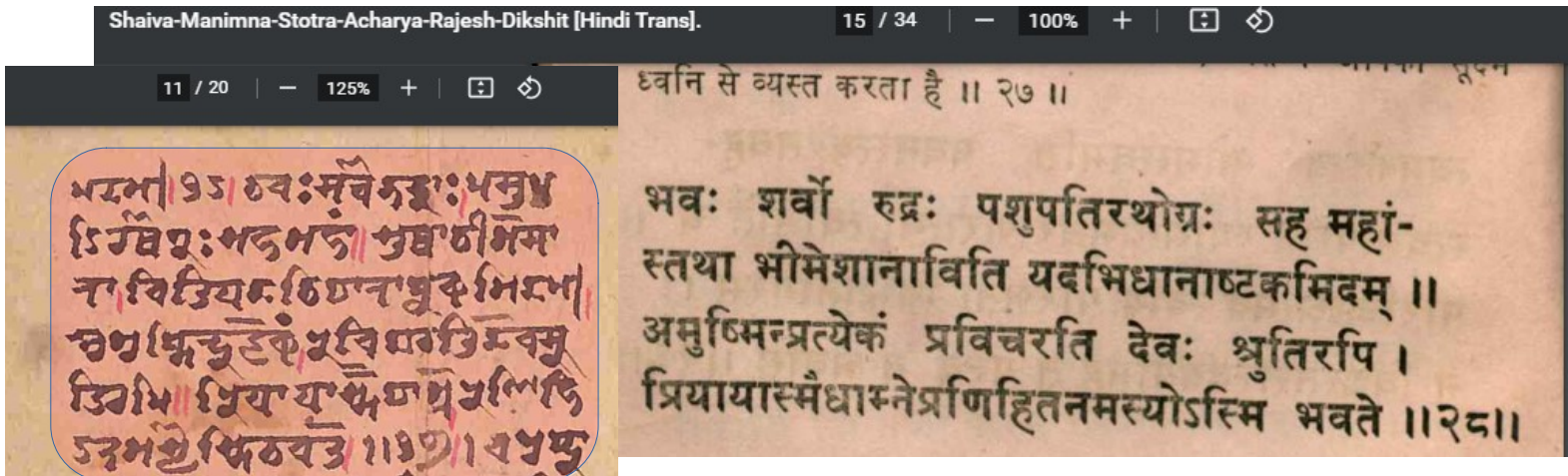
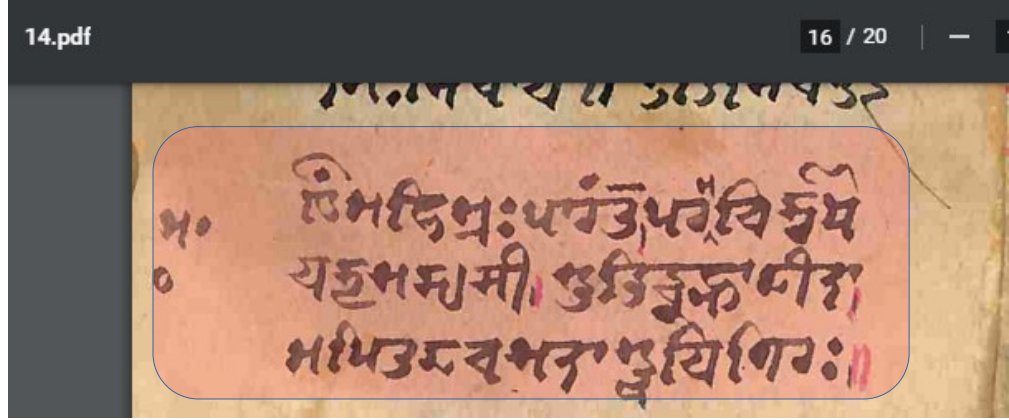




Page 11-20: Shiva Mahimna Stotram

(Pages are not arranged in order)

ref : <https://shaivam.org/hindi/shi-shiva-mahimna-stotra-trans.pdf>



ॐ नमः कुंभारय ॥ ॐ य
 नीमो भद्रभी रैक उिकेय
 प्रितनः ॥ धृत्तः कुभारः भी
 रनी धाभी महवमभ वः ॥
 नमो य धा धृत्त धृत्त धृत्त
 नीमि धि य धृत्तः ॥ उरक रि
 उम धृत्त धृत्त धृत्त धृत्तः ॥
 मधु धृत्त धृत्त धृत्त धृत्तः ॥
 रधु धृत्त धृत्तः ॥ मधु धृत्त धृत्त
 नव धृत्त धृत्त धृत्त धृत्तः ॥ म
 रधु धृत्त धृत्त धृत्त धृत्तः ॥ प्रच
 धृत्त धृत्त धृत्त धृत्त ॥ प्रच नम

५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥

५०॥
 ५०॥

५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥
 ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥ ५०॥

द्विद्विपुत्रमभा, विद्वत्पुत्रि
 वदुमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 यउ, मिममिद्वत्पुत्रमभा
 भागमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 ममपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 मीमानपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 गद्वत्पुत्रमेनिनमपुत्र, म
 यउ, ममपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म

द्विद्विपुत्रमभा, विद्वत्पुत्रि
 वदुमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 यउ, मिममिद्वत्पुत्रमभा
 भागमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 ममपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 मीमानपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 गद्वत्पुत्रमेनिनमपुत्र, म
 यउ, ममपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म
 पुत्रमपुत्रमेनिनमपुत्र, म

ॐ भिन्नगुणमुपभुङ्क्तु मरुति
 कृष्णकृष्णमुखा विभक्तिरय
 मउत्तुल्य दग्धुत्तुल्यगले
 सुगन्धायकय मन्त्रात्तुल्य
 लम्पयगले सुगन्ध ॥ ॐ येति
 त्रितः प्रगले चर भिन्निदं सु
 उच्यते उच्यते कृष्णमुद्रम्
 मन्त्रमममुद्रयितु परिचरि
 उच्यते विप्र विचरय उच्यते
 गन्धवत्तुः ॥ ॐ लम्पेः
 कृष्णकृष्णमुद्रम् मन्त्रः मन्त्र
 चमो लिभमले दग्धुत्तुल्य

३: ॐ भिन्नगुणमुपभुङ्क्तु मरुति
 मन्त्रमुपभुङ्क्तु मरुति उच्यते
 भिन्निदं ॥ ॐ चर चर
 यभिन्ना कृष्णमुद्रम् मन्त्रम्
 कृष्णमुद्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् ॐ भिन्न
 मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम्
 मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् ॥
 ॐ मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम्
 मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् ॥
 मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् ॥ ॥
 ॐ यन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम् मन्त्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
विष्णुं उवाच ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
उवाच ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
य ॥

विष्णुं उवाच ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
यमदितुं नमो भगवते वासुदेवाय
उं भगवते नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय
मं प्रलंबं नमो भगवते वासुदेवाय
वलं दत्तं नमो भगवते वासुदेवाय
उवाच ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
ममलं नमो भगवते वासुदेवाय



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible][illegible]

加
工

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

७०

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मिधुज्जिष्ठेनोतमदिभुनीनु
 वक्रयशुदेसुगय श्रीनीलक
 ७० यवधप्रसयउभैवकग
 यमःसिवाय।म। यस्तुभु
 दुपयल्लणायपिराकदभु
 यमदुताय रिदुयसुदु
 यदिरादुदयउभैवकगय
 उमःसिवाय ॥ उतिमिवउं

म०
 ०
 तिमदिभुःपगंउपगंविदुपे
 यदुमममी पुतिदुक्रमीद
 मपिउदवभन पुयिगिरः॥

पुषावशुःभवःशुभतिपरि
 लुकिठिलम।मभापेधैमुडे
 नरतिगपयदुःपरिकरः॥ ०
 सुजीउःपुदुउतवममदिभ
 वादुमभयेः॥ गउदुव।दुय
 मकिउमपिलुमुतिगपि।म
 कष्टुमुतदुःकतिविदुपुः॥
 कष्टुविधयः॥ पमीउवमीद
 पतिउतिमदकष्टुनवमः॥ १
 मउभुीउवमपममपंउति
 दिउवउ।मुवउक्रकिंवाग
 भिभुगुगेविमयपदं॥ म

भउउं वली पुल कष १५८
 रुवउः ॥ ५४ भडी ऊ कि दुग
 भसु पुदि विव भितः ॥ १३ ॥ ५
 वेसु ह्यउ पुल गद मय रकु पु
 लय कउ ॥ २५ व पु ह धं डि
 भ पु पुल विव भितः ॥ ५४
 हउ भ भि वर म मली य भ
 र मली ॥ ५४ उं ह रे मी वि म
 उ य द की म उ धियः ॥ ५४ ॥ कि
 मी दः किं कयः मा प लु कि पु
 भ य दि दु वं ॥ कि म भ गे म उ
 म ल उ डि कि पु भ म उ य डि म

भउउं वली पुल कष १५८
 रुवउः ॥ ५४ भडी ऊ कि दुग
 भसु पुदि विव भितः ॥ १३ ॥ ५
 वेसु ह्यउ पुल गद मय रकु पु
 लय कउ ॥ २५ व पु ह धं डि
 भ पु पुल विव भितः ॥ ५४
 हउ भ भि वर म मली य भ
 र मली ॥ ५४ उं ह रे मी वि म
 उ य द की म उ धियः ॥ ५४ ॥ कि
 मी दः किं कयः मा प लु कि पु
 भ य दि दु वं ॥ कि म भ गे म उ
 म ल उ डि कि पु भ म उ य डि म

पहुमिदिम ॥ कमीनं कैमिहः ॥
 मधुपुत्रिणिलं पविगुधः ॥
 मलमकैगपुममिपयम
 मलवमिय ॥ १५ ॥ मदिमः ॥
 पुत्रपुत्रगिनिमममम
 ३ः ॥ कपलं मउय ॥
 उहमिकरल ॥ मममुताम
 मुंममति ॥ उहयमममिदि
 जं नदिममममममममम
 मगममममममममममम
 मममममममममममममम
 मममममममममममममम

[illegible]

लङ्गिभगवत्पुत्रः ॥ ११ ॥
 सुप्रबलवर्णः विवभनते
 सुविभमते ॥ भृगीर्गम
 ॐ ममलङ्गिभकेभृति
 करः यतेरपेपुहभतुपि
 मभदं विरुपते ॥ पूवभे
 मीलं किमपि पुनपुत्र
 मयिते ॥ ११ ॥ ११ ॥ सुप्रब
 ॐ ममलङ्गिभकेभृति
 मभदं विरुपते ॥ पूवभे
 मीलं किमपि पुनपुत्र
 मयिते ॥ ११ ॥ ११ ॥ सुप्रब

म.
 १

उदेववभन ॥ ११ ॥ विवभन
 वतवभन ॥ ११ ॥ ११ ॥
 सुप्रबलवर्णः विवभनते
 सुविभमते ॥ भृगीर्गम
 ॐ ममलङ्गिभकेभृति
 करः यतेरपेपुहभतुपि
 मभदं विरुपते ॥ पूवभे
 मीलं किमपि पुनपुत्र
 मयिते ॥ ११ ॥ ११ ॥ सुप्रब
 ॐ ममलङ्गिभकेभृति
 मभदं विरुपते ॥ पूवभे
 मीलं किमपि पुनपुत्र
 मयिते ॥ ११ ॥ ११ ॥ सुप्रब

